लिफ्ट - मस्ती मजा सस्ती सजा

मेरा नाम सुनिता मैत्री है, मै एक आदिवासी परिवार से हूं इसलिए न तो गोरी चिट्टी हूं न ही चेहरा बहुत सुन्दर है. पर क्योकि मेहन्ती हूं इसलिए बदन भरा भरा और फिगर जबरदस्त है. मेरे स्तन के उभार किसी को भी लल्चा देने के लिए काफी है. मै ज्यादा फैशन मे विश्वास नही करती तो ज्यादातर सिम्पल कपड़े ज्यादा पहनती हूं. प्यार के चक्कर में कभी नही पड़ी पर जब एक हैन्डसम से लड़के मुझे प्रपोज किया तो मै मना नही कर पाई. मेरे घर से मेन शहर लगभग २५ कि.मी. है. वही पढ़ाई भी करती हूं और जॉब भी करती हूं. आने जाने के लिए बस से आना जाना होता है. टाईम मिलता है तो बॉयफ्रेंड के साथ गुजारती हूं. कभी इतना टाईम नही मिलता कि कुछ ज्यादा कर पाऐं पर ज्यादा कर किस कर लेते हैं. कभी कभी वो ब्रा के निचे हाथ ले जा कर मेरे स्तनो को मसल लेता था. घर वापस जाने के लिए मुझे काफी देर तक रोड के किनारे खड़े हो कर इंतिजार करना पड़ता है तो हम दोनो खड़े होकर बाते करते रहते है. ऐसे ही एक दिन मुझे घर जाने कि जल्दी थी और कोई साधन नही मिल रहा था तो मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि क्यो न मै लिफ्ट ले लू. मैने कहा भी कि किस से लिफ्ट ले सकती हूं तो उसने मुझे सजेशन दिया कि ट्रक मे लिफ्ट ले लो. मैने गुस्से से कहा, "पागल हो गये हो क्या. किसी भी टाईप कि लड़की ट्रक में लिफ्ट नही लेती. फिर ट्रक वाला न जाने क्या कर जाए." उस दिन तो बात आई गई हो गई पर फिर अक्सर मेरा बॉयफ्रेंड मुझे कमेन्टस करने लगा इस टापिक को ले कर, अक्सर मुझे बोलता कि ट्रक में लिफ्ट ले ले, मै मना करती तो कहता कि हिम्मत नही है क्या, आदि आदि.

एक दिन मेरे बॉयफ्रेंड को बहुत ज्यादा फुर्सत थी तो मुझे जल्दी बुला लिया. मै घर से निकल रही थी तो मेरी बहन ने मुझसे पुछा कि कहा जा रही हूं. मेरी बहन से मेरी फ्रेंक बात होती है इसलिए मैने उसे बताया कि अपने बॉयफ्रेंड से मिलने जा रही हूं. उसने मुझसे कहा कि कभी तो सज सवर कर जाया करो. मैने मतलब पुछा तो उसने कहा कि मार्डन कपड़े पहन कर. मैने कहा कि मुझे पसंद नही तो उसने कहा कि हर चीज अपने पसंद से नही करते एक बार पहन कर तो देखो आपके बॉयफ्रेंड के होश उड़ जायेंगे. मैने सोचा कि एक बार ट्राई किया जाऐ. मैने हामी भरी तो उसने ड्रेस निकाल दिया. एक बिना कंधो की टॉप और टाईट जींस. मैने कहा की बिना कंधो कि टॉप है तो ब्रा कैसे पहनुंगी. बहन ने कहा, "तो मत पहन न, तेरे बॉयफ्रेंड का हाथ अंदर जायेगा तो उसे भी मजा आ जायेगा." मैने सोचा कि चलो ये भी कर लेते है. मैने बिना ब्रा के टॉप पहन लिया, जब जींस पहन रही तो खयाल आया कि पेन्टी भी नही पहनती हूं. पहले खुद पर हंसी आई फिर मैने बिना पेन्टी के जींस पहन ली. हल्का मेकअप किया और चल पड़ी. जितने लोग मुझे देख रहे थे रास्ते मे पलट पलट के घूर रहे थे. मै बस स्टैण्ड गई और बस से सिटी पहुंची. जैसे ही मेरे बॉयफ्रेंड ने मुझे देखा पागल हो गया, बहुत तारीफ की, बहुत खुश था पर खुशी ज्यादा देर नही रही. उसके घर मे अचानक किसी की तबीयत खराब हो गई और उसे जाना था. हम खड़े हो कर बस का वेट करने लगे. काफी देर तक बस नही आई तो मेरे बॉयफ्रेंड ने मुझे मजाक में कहा कि ट्रक में लिफ्ट ले ले. मैने गुस्से से देखा तो उसने ताना मारने के अंदाज मे कहा, "आज इतना हिम्मत दिखाई है तो ये भी कर के देख ले." मुझे गुस्सा आ गया और मैने भी ताव से कहा, "तुमको क्या

लगता है कि मै ट्रक से लिफ्ट नही ले सकती." उसने कहा, "है हिम्मत." मैने कहा, "आज ले कर दिखाती हूं."

वो थोड़ा दूर खड़ा हो गया और मै किसी ट्रक के आने का वेट करने लगी. एक ट्रक निकला पर रोकने की हिम्मत नही हुई. वो दूर मे खड़े होकर हंस रहा था. मुझे चिढ़ हो रही थी. एक और ट्रक गुजरा तो फिर हिम्मत डोल गई. पर जैसे ही अगला ट्रक आया मैने हाथ दिखाया. ट्रक बगल मे आ कर रूक गई. बगल के खिड़की से दो लोग झांक रहे थे और दूसरी तरफ से ड्राईवर उतर के आया. उसने मुझसे पुछा कि क्या बात है. मैने अपने एरिया का नाम बता कर लिफ्ट मांगी. मैने कहा कि क्या मुझे वहां तक छोड़ सकते हो. ट्रक ड्राईवर ने मुझे उपर से नीचे तक देखा और जोश मे बोला, "छोड़ देंगे जी, चढ़ जाओ जी." गेट खुला और दोनो लोग अंदर सरक गए. मै कभी ट्रक मे चढ़ी नही थी तो उपर चढ़ने मे काफी दिक्कत आ रही थी. खुद को उपर खीच नही पा रही थी. ट्रक ड्राईवर ने मेरे चुत्तड़ो पर एक हाथ लगया और उपर ढकेल दिया. मैने अपने बॉयफ्रेंड की तरफ देखा तो वो फोन पर बात कर रहा था. शायद वो इधर नही देख रहा था. मै अंदर बैठ गई और दरवाजा बंद हो गया. ट्रक ड्राईवर ड्राईविंग सीट पर आ गया और ट्रक चल पड़ी. दोनो लड़के जो खलासी थे मुझे लल्चाई नजरो से घुर रहे थे. मै उतरना चाहती थी पर बोलने की हिम्मत ही नही हो रही थी. उनकी नजरे भी ठीक नही लग रही थी. थोड़े दूर जाने के बाद ट्रक ने बाई पास रूट पकड़ लिया. मैने धीरे से पुछा, "इधर किधर?" ट्रक ड्राईवर बोला, "बहन जी, मेन रूट से हमें परमिशन नही है इसलिए बाई पास से जाना पड़ता है." बहन जी बोला तो थोड़ा चैन आया. मै चुप चाप बैठ गई. ट्रक जब सुनसान एरिया में आ गई तो अचानक एक खलासी ने पुछा, "तेरा रेट क्या है?"

मैने हड़बड़ा कर पुछा, "मतलब?" उसने कहा, "मुझे पता है, तु धंधे वाली है, इसलिए तेरा रेट पुछ रहा हूं." मैने और ज्यादा हड़बड़ा कर कहा, "मैं धंधे वाली नही हूं." ट्रक ड्राईवर ने कहा, "हमें पता है की तू धंधे वाली है क्योकि कोई आम लड़की ट्रक मे लिफ्ट नही लेगी. मैने बहुत जगह देखा है, ऐसे ही धंधे वाली ट्रक में लिफ्ट लेती है. पहनावे से भी तू धंधे वाली लग रही है. या तुझे अपने जिस्म की निमाईश करने का शौक है शायद." मैने हकलाते हुऐ कहा, "आप इतने विश्वास से कैसे कह सकते हैं ऐसा?" ट्रक ड्राईवर ने कहा, "मेरे पास एक तरीका है साबित करने का, ज्यादातर धंधे वाली जब इस टाईप से लिफ्ट लेती है तो अंदर कुछ नही पहनती है, मेरा मतलब ब्रा पेन्टी नही पहनती हैं. अपने कपड़े खोल कर दिखा दे कि ब्रा पेन्टी पहनी है, मै तेरी बात मान लुंगा." मुझे तो काटो तो खून नही जैसे हालत थी, कुछ बोलते ही नही बन रहा था." ट्रक ड्राईवर ने कहा, "अब खोल के दिखा." मैने हकलाते हुए कहा, "पर अभी तो आप मुझे बहन जी कह रहे थे?" ट्रक ड्राईवर ने कहा, "तो क्या हुआ, इससे तेरा रेट बदल जाता है क्या, चल न कुछ ज्यादा ले लेना." इतना कहते ही एक खलासी मेरे बाएं बगल आ कर बैठ गया. एक खलासी मेरे दाएं बगल पहले से बैठा हुआ था. हम तीनो ट्रक के पिछले सीट पर बैठे थे. और ड्राईवर अगले सीट के कोने पर. मैने मेमियाते हुए कहा, "मैं धंधे वाली नही हूं?" ट्रक ड्राईवर ने मुझे घूरा और अपने एक खलासी से बोला, "छोटके, देख तो लौंडिया सच बोल रही है या झूठ?" खलासी ने कहा, "पर गुरू कैसे चेक करूं?" ड्राईवर ने उसे डपटते हुए कहा, "साले ऊपर का कपड़ा उठा कर देख कि ब्रा पहनी

छेद मे घुसाने की कोशिश करते. १० मिनट के बाद ड्राईवर ने गाड़ी रोक दी, दोनो पलटे तो ड्राईवर ने कहा, "अबे अब क्या पूरी मलाई उतार लोगो तुम दोनो, साले तुम लोगो के पैसे भी मुझे ही देने है, साले आ कर गाड़ी चलाओ." एक खलासी उठ कर ड्राईवर की सीट पर चला गया और ड्राईवर पिछली सीट पर आ गया. ट्रक फिर चलने लगी. ड्राईवर ने सीट पर बैठ कर मुझे अपनी गोद मे खीच लिया. मै उसके गोद मे इस तरह बैठी थी की मेरी पीठ ड्राईवर के छाती से सटी हुई थी. ड्राईवर ने मेरी दोनो बगलो के बीच से अपने दोनो हाथ लाये और मेरी दोनो स्तनो को अपने हाथो मे भर लिया. एक खलासी अभी भी बगल में बैठा हुआ था, ड्राईवर चिल्लाया, "अबे, तू क्या चोदने सीखने के लिए बैठा है, मादरचोद सामने जा, मै पहले इसको भसका लूं फिर दोनो निपट लेना." वो हड़बड़ाते हुए आगे की सीट पर चला गया. ड्राईवर ने मेरे दोनो स्तनो को कस कस के मसलना शुरू किया. इतने कस के मेरी कराह फूट रही थी. ड्राईवर ने धीरे से मेरे कान मे कहा, "तेरी तो दुध्धु बहुत मस्त है, लगता है नई नई धंधे मे आई है, चुत भी टाईट होगी. ३५० मे सस्ती पड़ी. चल अब तेरे को चख लेता हूं." ड्राईवर ने मुझे झटके से अलग किया और मुझे सीट पर लिटा दिया. वो जल्दी से अपनी लुंगी खोलने लगा.

लुंगी के खुलते ही उसका ८ इंच लम्बा लण्ड सामने था. उसका लण्ड देख कर मुझे पसीना आ गया. ड्राईवर ने मेरी जांघे फैला दी, और अपने लण्ड को मेरी चुत पर टिका दी. एक झटका दिया उसके और लण्ड आधा अंदर चला गया. मेरी जान सूख गई. बिना रूके उसने दूसरा झटका दिया और लण्ड पूरा अंदर चला गया. दबी दबी सी चीख निकल गई मेरी. ड्राईवर ने मुझे बांहो मे कस के लिपटा लिया और मेरे कान मे कहा, "जैसा सोचा था वैसा पाया, तेरी चूत मस्त टाईट है." इतना कह कर वो धक्के लगाने लगा. हर एक धक्के से मेरी सिसकी फूटने लगती और वो धीरे धीरे धक्के लगाता रहा. धीरे धीरे धक्के की गति बढ़ती गई और चरम पर पहुंच कर ड्राईवर ने अपना सारा वीर्य अंदर छोड़ दिया. वो ऊठा और लुंगी सम्भाल कर आगे चला गया. मै टांगे फैला कर लेटी हुई थी, इतने मे एक खलासी लुंगी उतार कर पीछे आ गया. वो भी मेरी टांगो के बीच आया और मेरी चुत पर अपना लण्ड लगा दिया. एक झटके से अपना लण्ड अंदर डाल कर वो जल्दी जल्दी धक्के लगाने लगा. इतनी हड़बड़ी थी उसको कि ५ मिनट के अंदर ही सारा वीर्य अंदर छोड़ दिया. वो गया तो अगला खलासी पीछे आया. उसने भी झटके से अपना लण्ड मेरी चुत में घुसा दिया. लण्ड ज्यादा लम्बा नही था पर मोटा इतना था कि मेरी चुत फाड़ने के लिए काफी था. मेरी चीख निकल गई. मै इतने कस कर चीखी की ट्रक के अंदर मेरी आवाज गुंज गई. वो बोला, "कैसा लगा लण्ड रानी, आज तक तेरे किसी ग्राहक कर इतना तग्ड़ा नही होगा." वो धक्के लगाने लगा पर २ सेकण्ड लगता था उसको लण्ड चुत से बाहर निकालने में और १० सेकण्ड लगता था उसे फिर अंदर घुसाने में. लगभग ५ मिनट लग गए उसको मेरी चुत फैलाने मे. उसके बाद ही वो जल्दी जल्दी धक्के लगाने लगा. उसके बाद भी लगभग २० मिनट लग गये उसको, और उसने सारा वीर्य अंदर छोड़ दिया और आगे चला गया. मै उटी और एक कपड़े से अपनी चुत साफ की और कपड़े पहनने लगी. जैसे ही कपड़े पहन ली तो ड्राईवर ने मुझे १०० के दस नोट दिये. मैने उसे ले कर निचे उतरी.

निचे उतर कर जैसे ही मैने आस पास देखा तो झटका लगा. चारो ओर जंगल था, मैने ड्राईवर से पुछा कि ये कौन सी जगह है तो उसने बताया कि हम शहर से २० कि.मी. बाहर आ गये है. मैने घिघियाते हुए कहा कि अब मैं वापस कैसे जाऊंगी तो ड्राईवर बोला, "यहां से बहुत से ट्रक वापस जाते है. लिफ्ट ले लेना, वापसी में भी तेरा धंधा हो जायेगा." इतना कह कर ट्रक आगे बढ गया. मुझे ड्राईवर पर बहुत गुस्सा आ रहा था पर कर भी क्या सकती थी. मैने सोचा कि मोबाईल से काल करती हूं, मोबाईल निकाल कर देखा तो टावर गायब था, हां एक मेसेज जरूर था, मैने मेसेज देखा तो मेरे बायफ्रेंड का था. लिखा था, "चल बहुत होशियारी हो गई, अब उतर जा ट्रक से, वरना तू कहां पहुंचेगी पता नही पर ट्रक वालो तेरे साथ जंगल मे मंगल जरूर कर देंगे." मुझे इतना गुस्सा आ रहा था पर अभी तो सबसे ज्यादा जरूरी वापस जाना था. मै वही खड़े हो कर इंतिजार करने लगी. कई ट्रक गुजरी और मैने रूकने का इशारा भी किया पर कोई ट्रक नही रूका. दोपहर भी ढल रही थी. थोड़े देर सोचने के बाद मैने जल्दी जल्दी अपने सारे कपड़े उतार दिया और अपने बैग मे रख लिया. मै नग्न होकर रोड के किनारे खड़ी हो गई गई. थोड़े देर इंतिजार करने के बाद एक ट्रक आई और मैने रूकने का इशारा किया. ट्रक एक झटके से पास आकर रूक गई. ड्राईवर निचे उतरा और मेरे पास आ गया. उसने मुझे देखा और पुछा, "क्या है?" मैने कहा कि मुझे इस जगह तक जाना है उसने मेरे नग्न बदन को देखा और कहा, "धंधा करती है." मैने हा कहा और ये भी कहा कि ३५० रूपये एक आदमी का लगता है. उसने कहा, "ज्यादा है, पिछे वाला ट्रक देख ले." वो जाने लगा तो मैने कहा, "मुझे मेरी मंजिल तक छोड़ दो, और मुफ्त मे कर लेना. उसने उपर देखा तो २ सर बाहर देख रहे थे, उसने कहा, "दो लोग और हैं साथ में?" मैने कहा, "कोई बात नही, इनके लिए भी मुफ्त." वो मुस्कुराया और उपर इशारा किया, दरवाजा खुला और दो हाथ बाहर आए. मै हाथ पकड़ी तो दोनो ने एक एक हाथ से मेरे दोनो स्तन को पकड़ लिया और मुझे उपर खीच लिया. मै अंदर घुसी तो दरवाजा बंद हो गया और ट्रक चल पड़ी.

इस ट्रक मे भी दो खलासी और एक ड्राईवर था. एक खलासी ने मुझे अपनी गोद मे बिठाया और एक खलासी मेरे सामने बैठ गया, दोनो मेरे बदन से खेलने लगे. कभी मेरे स्तन को मसलते कभी मेरे जांघो को सहलाते, कभी मेरे गले और गाल को चुमते, कभी निप्पल चुसते. ड्राईवर बहुत तेजी से ट्रक चला रहा था और फिर अचानक एक जगह रोक दिया. मैने झांक कर आगे देखा तो पाया कि जिस जगह मुझे जाना था उस से आधा कि.मी. पर एक बैरियर है, ट्रक उसके कुछ ही फलांग दूर एक साईड मे खड़ी थी. ड्राईवर ने कहा, "तुझे यही तक जाना है न, चल तेरी मंजिल आ गई. अब यहां से पैदल चली जाना, हम वापस जाएंगे." मैने सहमति मे सर हिलाया. ड्राईवर ने थोड़ा डपट के कहा, "अब जल्दी से लेट जा, हमें अपना मेहनताना वसूलने दे."

दोनो खलासी ने मुझे छोड़ दिया और मै खुद से सीट पर लेट गई और अपनी टांगे फैला दी. ड्राईवर अपने कपड़े उतार कर मेरे ऊपर आ गया. उसने अपना लण्ड मेरी चुत पर लगाया और एक धक्का दिया और लण्ड पुरा अंदर चला गया, युं तो लण्ड कुछ ज्यादा बड़ा नही था पर

क्योकि तीन लोगो ने पहले से मेरी चुत की दुर्गति कि थी इसलिए थोड़ी परेशानी हो रही थी. मेरे स्तनो को मसलते हुए ड्राईवर धक्के लगाता रहा और एक चरम पर पहुंच कर अपना वीर्य मेरी चुत मे छोड़ कर खड़ा हो गया. इसके बाद एक खलासी मेरे ऊपर चढ़ा, उसने अपना पूरा वजन मेरे उपर छोड़ दिया, मुझे अपने बांहो मे भर लिया, मेरे गले को लगातार चुमता रहा और अपने लण्ड से छोटे छोटे धक्के लगाने लगा. उसका असर ये हुआ कि मेरे बदन मे गुदगुदी सी महसूस होने लगी और न चाहते हुए भी मैने अपनी जांघे उसके कमर के आस पास लपेट ली. वो लगातार अपने धक्के लगा रहा था और मुझे इतना अलग लग रहा था कि मै उसका पीठ भी सहला रही थी. मेरे चेहरा खिड़की की तरफ था. तभी मैने देखा कि कोई खिड़की से अंदर झांक रहा है. वो एक टोपी लगाया हुआ है जैसे गार्ड लगाते है. थोड़े देर तक वो अंदर झांकता रहा फिर गायब हो गया. मुझे बहुत अजीब और डर सा लगा, पर जब वो वापस नही आया तो मैने उसे अपने दिमाद से निकाल दिया. मेरा विचार तब टूटा जब मेरे चुत में धक्के लगाता खलासी मेरे चुत मे अपना वीर्य छोड़ रहा था. वो उठा तो तीसरा सवार हो गया. उसने जल्दी से अपना लण्ड मेरी चुत में डाला और तेजी से धक्के लगाने लगा. धक्को के तेजी से उसकी बेसब्री झलक रही थी, शायद इतनी देर तक इंतिजार ने उसे ऐसा कर दिया था. बेसब्री ज्यादा थी तो ज्यादा देर रोक नही पाया और अपना वीर्य छोड़ कर खड़ा हो गया. मैने पास पड़े एक कपड़े से अपनी चुत पोंछी और कपड़े पहन कर निचे उतर गई. ट्रक वापस मुड़ा और चला गया.

मै टहलते हुए बैरियर की तरफ चल दी. जैसे भी मै बैरियर को क्रास कर रही थी अचानक एक गार्ड सामने आ गया. उसे देखते ही पहचान गई कि वो वही था जो ट्रक के अंदर झांक रहा था. उसने मुझे रोक के कहा, "कहां जा रही हो मैडम, इस बैरियर को पार करने के लिए टैक्स लगता है." मै जानती थी कि वो सब कुछ देख चुका है तो मैने एक झटके से अपना टॉप ऊपर उठा कर अपनी नग्न स्तन उसके सामने कर दिया और कहा, "तो टैक्स ले लो." उसने मेरे दोनो स्तन थाम लिया और उन्हें मसलने लगा. थोड़े देर मे उसने मुझे स्तनो से खीचते हुए एक कैबिन कि तरफ ले जाने लगा. कैबिन मे जैसे ही घुसे तो वहां एक और गार्ड बैठा था. पहले वाले ने उस से कहा, तु बाहर बैठ, मैं जब बाहर आ जाऊं तो तु अंदर आ जाना. वो मुझे देख कर हालात समझ गया और बाहर चला गया. कैबिन छोटा सा था और एक टेबल और एक कुर्सी रखी थी बस. उसने मुझे देखा तो मैने जल्दी जल्दी कपड़े उतार दिये. उसने मेरे दोनो हाथ टेबल पर रखवाया और मुझे झुकाया, पीछे से अपना लण्ड मेरी चुत मे डाल दिया और पिछे से हाथ ला कर मेरे स्तनो को मसलने लगा और धक्के लगाने लगा. उसके धक्के इतना प्राबल्म नही कर रहे थे जितना वो मेरे स्तनो को मसल के कर रहा था. लगातार १० मिनट तक धक्के लगाने

के बाद वो अपना वीर्य मेरे चुत मे छोड़ कर, अपना पेंट सम्भालते हुए बाहर चला गया. उसके जाते ही दुसरा गार्ड अंदर आ गया, मैं बिना हिले वैसे ही खड़ी थी. वो आया और उसने अपनी पेंट उतार कर पीछे से अपना लण्ड मेरी चुत मे डाल दिया और धक्के लगाने लगा. उसे अपना वीर्य छोड़ने मे ५ मिनट से ज्यादा नही लगा, वैसे भी उसकी उमर कुछ ज्यादा ही थी. उसके जाते ही पहला वाला अंदर आ गया. मै वैसे ही खड़ी थी तो उसने मुझसे कहा, "मेरा लण्ड लटक गया है, उसे तुझे खड़ा करना पड़ेगा." इतना कह कर वो टेबल पर बैठ गया और मुझे कुर्सी पर बैठा दिया. मुझे समझ आ गया कि उसे लण्ड चुस्वाना है. न चाहते हुए भी जिंदगी मे पहली बार मैने एक लण्ड को अपने मुंह मे लिया और चुसने लगी. लगभग ३ मिनट मे उसका लण्ड फिर से खड़ा हो गया और उसने मुझे टेबल पर लिटाया और मेरी टांगो को अपने कंधो पर रख कर अपना लण्ड मेरी चुत मे डाल दिया. मेरे दोनो स्तनो को मसलते हुए मुझे धक्के लगाने लगा और लगभग १० मिनट मे संखलित हो गया. वो उठ कर बाहर चला गया और मैने एक रूमाल से अपनी चुत साफ की और कपड़े पहन कर बाहर आ गई. दोनो एक साईड मे खड़े हो कर सिग्रेट फूंक रहे थे तो मै चुप चाप घर को रवाना हुई. चलने मे काफी दिक्कत हो रही थी क्योंकि ८ लोगो ने मेरी चुत का भुर्ता बना दिया था. मुझे खुद पर ताजुब हो रहा था कि ८ लोगो ने मेरी चुत मारी थी और फिर भी मै चलने फिरने के काबिल थी. वैसे चलने से पता चल रहा था कि मेरी चुत छिल सी गई थी.

घर पहुंच कर जैसे ही अंदर घुसी मेरी बहन ने रास्ता रोका. उसने मुझे गौर से देखा और कहा, "दीदी, लगता है कि आपके बॉयफ्रेंड ने आपकी जम कर कुटाई की है." मैने सर हिला दिया. वो चहकते हुए बोली, "तो मेरा आईडिया ब्रा न पहनने वाला काम कर गया." मेरे मन मे आया कि बोल दूं कि, "साली तेरे आईडिया के चक्कर मे ८ लोगो ने मुझे रंडी की तरह चोदा है." पर बिना कुछ बोलो मै नहाने चली गई. नहाते समय एक ही बात ध्यान मे थी की सब ने अपना वीर्य मेरी चुत में डाला है कही मै प्रग्नेन्ट न हो जांऊ. नहा कर कपड़े बदल ली और कमरे मे जाकर सो गई. रात मे मेरी बहन मेरी बगल में आकर लेट गई. उसने मुझ से धीरे से पुछा, "घर कैसे आई हो दीदी?" मैने लेटे लेटे ही कहा, "बस से." उसने धीरे से कहा, "काहे को झुट बोलती हो दीदी, बस वालो की तो आज हड़ताल थी." मैने धीरे से कहा, "ट्रक से." वो उछल कर बैठ गई और बोली, "हाईला दीदी तब तो ट्रक के सारे खलासियो ने और ड्राईवर ने तेरी चुत का तो भुर्ता बना दिया होगा." मै अचानक ही बोल पड़ी, "तुझे कैसे मालूम?" उसने मुस्कुराते हुए कहा, "क्योकि दीदी एक बार मै भी ट्रक में लिफ्ट ले चुकी हूं. एक ड्राईवर और ४ खलासियो ने मेरी वो दुर्गति कि थी कि मै बता नही सकती." वो उठी और बाहर चली गई, एक मिनट मे वापस

आई तो ग्लास में पानी था. उसने मुझे पीने को कहा. मैने पीया तो अलग सा टेस्ट लगा. मैने उससे पुछा कि क्या है. उसने मुझसे कहा, "ट्रक वाले तो कॉडम प्रयोग नही करते, सारा पानी चुत मे ही छोड़ दिये होंगे, ये पानी मे दवा है कि तुम प्रग्नेन्ट न हो." मेरा मन हलका लगने लगा, मैने उससे पुछा, "मुझे लगता था कि तु अभी सम्भोग से अछुती है." उसने कहा, "दीदी इस मे तो मै धुरन्धर हूं, आपको अभी पता ही कहा है." मैने उससे कहा, "तेरी नथ कौन ले गया." उसने मुझे बताया कि महल्ले मे ४ बैचलर रहते है, एक से दोस्ती हुई, कभी कभी उसके साथ छेड़ छाड़ करता, एक दिन अपने कमरे मे बुलाया. कमरे मे चारो थे और जबरदस्ती चारो ने मिल कर उसे चोदा और कौमार्य भंग कर दिया. पहले उसे खराब लगा पर फिर मजा आने लगा. अब हफ्ते मे एक बार चारो एक साथ उसकी चुत की प्यास बुझाते है. इसके इलावा कालेज मे उसके २ बॉयफ्रेंड है जिनके साथ कभी कभी चुत मराती रहती है. इसके इलावा शादी ब्याह मे अगर मौका मिले तो दो चार के साथ मजा ले लेती है.

हम दोनो काफी देर तक बाते करते रहे और अपने अनुभब एक दुसरे को बताते रहे. फिर उसने पुछा, "दीदी, बाहर में उतना मजा नही आता, हमेशा जल्दी लगी रहती है. कभी आराम से नही की हूं." फिर थोड़ी देर रूकी और बोली, "कल रात में घर मे कोई नही रहेगा, आप कहे तो चारो बैचलर को बुला लेती हूं, उनके ४ दोस्त और है, एक रूम मे मैं चारो के साथ मजा ले लुंगी, और एक रूम में आप उनके ४ दोस्तो के साथ मजा ले लेना. क्या बोलती हो?" मैने उसे डपट कर कहा, "चुप चाप सो जा, ज्यादा दिमाग मत चला." वो मायूस होकर सो गई.

सुबह उठी तो वैसे ही मायूस थी मैने उसे पास बुलाया और कहा, "अच्छा, आठो को बुला लेना पर चार मैं अपने पसंद से छांटुंगी, और बाकि ४ मे तुझे काम चलाना पड़ेगा." वो खुशी से झुम उठी और फोन करके चली गई. इसके बाद फिर बहुत से अनुभव रहे पर वो फिर कभी.